भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2934
18 मार्च, 2025 को उत्तरार्थ

विषय: आईसीएआर-एनआईपीएचएम द्वारा नई अनुसंधान पहल

2934. डॉ.विनोद कुमार बिंद:
श्री प्रताप चंद्र षडङ्गी:

क्या **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) नई अनुसंधान पहलों अथवा प्रौद्योगिकियों का ब्यौरा क्या है जिन पर वर्तमान में आईसीएआर-एनआईपीएचएम कार्य कर रहे हैं;
(ख) आईसीएआर-एनआईपीएचएम अंतर्राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान संस्थानों के साथ किस प्रकार सहयोग करते हैं; और
(ग) सरकार आईसीएआर-एनआईपीएचएम के माध्यम से सतत और जैविक कृषि पद्धतियों को किस प्रकार बढ़ावा दे रही है?

उत्तर
कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) से (ग): राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान (एनआईपीएचएम) कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के तहत एक स्वायत्त संगठन है, जो हमारे देश के कृषि उत्पादन को बढ़ाने के लिए फसल-उन्मुख एकीकृत कीट प्रबंधन पद्धतियों पर विशेष बल देते हुए वनस्पति संरक्षण प्रौद्योगिकी, वनस्पति संगरोध और जैव-सुरक्षा के सुधार के लिए विभिन्न अनुसंधान पहल या प्रौद्योगिकियां शुरू कर रहा है, अर्थात फॉर्म्यूलेशन के गुणवत्ता मापदंडों के विश्लेषण के लिए प्रोटोकॉल का वैधिकरण (i) ह्यूमिक एसिड, फुल्विक एसिड एवं उनके डेरिवेटिव्ज और (ii) बायोस्टिमुलेंट्स के मिश्रित फॉर्म्यूलेशन, फसल संबंधी दो कीटों के बॉयोलोजिकल नियंत्रण पर परियोजना (आईसीएआर-एआईसीआरपी-बीसी), मक्का इकोसिस्टम में प्राकृतिक शत्रुओं की जैव विविधता और मक्का फॉल आर्मी वर्म *(स्पोडोप्ट्रा फ्रूजीपरडा)* के प्रबंधन के लिए *नोमुरिया रिलेई (मेटारिज़ियम रिलेई)* के उत्पादन हेतु एनआईपीएचएम व्हाइट मीडिया का मूल्यांकन, एफसीआई गोदामों में थोक अनाज भंडारण के लिए इकोफ्रेंडली एकीकृत संगृहीत खाद्यान्न कीट प्रबंधन तकनीकों का विकास, आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण फलों की फसलों को हानि पहुंचाने वाली ओरिएंटल फ्रूट फ्लाई, *बैक्ट्रोसेरा डोर्सालिस (डिप्टेरा: टेफ्रिटिडे)* के प्रबंधन के लिए स्टराइल कीट तकनीक का सर्वेक्षण और क्षेत्र मूल्यांकन करता है ।

इसके अलावा, एनआईपीएचएम विभिन्न राज्यों के अधिकारियों और किसानों के लिए वनस्पति संरक्षण से संबंधित विभिन्न विषयों जैसे कि जैव इनपुट को बढ़ावा देने के लिए मृदा और जड़ स्वास्थ्य प्रबंधन योजना के तहत जैव इनपुट्स का प्रशिक्षण और प्रदर्शन, जैव इनपुट को बढ़ावा देना, सतत वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन आदि पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित करके सतत और जैविक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा दे रहा है | अब तक एनआईपीएचएम ने अंतर्राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान के साथ कोई औपचारिक सहयोग नहीं किया है।

*****